बोल्ड कुरुक्षेत्र अभ्यास

चर्चा में क्यों ?

❖ हाल ही में, सिंगापुर सेना और भारतीय सेना ने अभ्यास "बोल्ड कुरुक्षेत्र" के 13वें संस्करण में भाग लिया।

अभ्यास "बोल्ड कुरुक्षेत्र" के बारे में

❖ अभ्यास का 13वां संस्करण जोधपुर सैन्य स्टेशन में आयोजित किया गया।

❖ यह एक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है, यह पहली बार 2005 में आयोजित किया गया था।

❖ इस वर्ष, इसकी मेजबानी भारतीय सेना ने की और इस अभ्यास में 42वीं बटालियन, सिंगापुर आर्मर्ड रेजिमेंट और भारतीय सेना की एक आर्मर्ड ब्रिगेड के सैनिक शामिल थे।

❖ इसमें उभरते हुए खतरों और उभरती प्रौद्योगिकियों में यंत्रीकृत युद्ध की समझ शामिल है।

महत्व

❖ यह अभ्यास दोनों देशों के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को रेखांकित करता है और दोनों सेनाओं के बीच सहयोग को बढ़ाता है।

स्रोत: PIB

सुप्रीम कोर्ट

चर्चा में क्यों ?

❖ हाल ही में, NSSO ने देश में कंप्यूटर प्रोग्राम लिखने में सक्षम लोगों की संख्या को मापने के लिए एक सर्वेक्षण किया।

KARMANYEVADHIKARASTE THE STUDY MAA PHALESHU KADAACHAN An Institute for IAS

प्रमुख बिंदु

- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय ने जनवरी, 2020 से अगस्त, 2021 तक "एकाधिक संकेतक सर्वेक्षण" किया।
- सर्वेक्षण रिपोर्ट इस महीने की शुरुआत में NSSO के 78वें दौर के हिस्से के रूप में जारी की गई थी।
- दक्षिण भारत में अधिक युवा पुरुष और महिलाएं हैं जो देश के अन्य हिस्सों की तुलना में विशेष भाषा या कोड का उपयोग करके कंप्यूटर प्रोग्राम लिख सकते हैं।
- विशेष रूप से, केरल में 15-29 आयु वर्ग के 9.8% लोग (भारत में सबसे ज्यादा) प्रोग्रामिंग में निपुण थे, इसके बाद सिक्किम (6.8%), तमिलनाडु (6.3%), कर्नाटक (6.2%), तेलंगाना (5.7%) और आंध्र प्रदेश (4.2%) में हैं। सबसे नीचे के राज्यों में बिहार (0.5%), छत्तीसगढ़ (0.7%), असम (0.7%), और मेघालय (0.2%) शामिल हैं।
- निष्कर्षों का कारण उच्च साक्षरता दर, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे IT केंद्रों की उपस्थिति और कुशल युवा पेशेवरों की उपलब्धता को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) में केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (CSO) और राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) शामिल हैं।
- यह देश में सांख्यिकीय प्रणाली के नियोजित विकास के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। महत्वपूर्ण संकेतकों को जारी करने के साथ-साथ, यह सांख्यिकी के क्षेत्र में मानदंडों और मानकों को निर्धारित करता है और बनाए रखता है।

स्रोत: TH

जलयुक्त शिवर अभियान

चर्चा में क्यों?

- महाराष्ट्र सरकार ने जलयुक्त शिवर अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ करने का निर्णय लिया है।

जलयुक्त शिवर अभियान के बारे में

- इस योजना के तहत जल संरक्षण सम्बंधित उपाय करके सूखा-प्रवण क्षेत्रों को लक्षित करना है।

KARMANYEVADHIKARASTE MA PHALESHU KADAACHAN
THE STUDY
An Institute for IAS

- यह योजना कम वर्षा प्राप्त करने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में मानसून के महीनों के दौरान अधिकतम बहते पानी को रोकने का प्रयास करती है।
- योजना के तहत, भूजल पुनर्भरण को बढ़ाने के लिए गांवों के भीतर विभिन्न स्थानों पर विकेन्द्रीकृत जल निकाय स्थापित किए गए हैं।
- पहले चरण में, (2015-2019) जलयुक्त शिवर अभियान ने हर साल 5,000 गांवों को सूखा मुक्त बनाने की परिकल्पना की।

भारत सरकार की अन्य पहलें

- **जल जीवन मिशन:** प्रधानमंत्री द्वारा 2024 तक देश के प्रत्येक ग्रामीण घर में पीने योग्य नल का पानी उपलब्ध कराने के लिए मिशन की घोषणा की गई थी।
- **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना:** यह योजना बेहतर ऑन-फार्म प्रबंधन प्रथाओं द्वारा जल-उपयोग दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।
- **जल शक्ति अभियान:** इस योजना का उद्देश्य भारत के 256 जल संकट वाले जिलों में समयबद्ध तरीके से जल संरक्षण करना है।

स्रोत: TH

इरेडा

चर्चा में क्यों?

- RBI ने भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA) को 'इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (IFC)' का दर्जा दिया है।
- इससे पूर्व यह 'निवेश और क्रेडिट कंपनी (ICC)' के रूप में वर्गीकृत थी।

IFC स्थिति के लाभ:

- अब इरेडा AI (नवीकरणीय ऊर्जा) वित्तपोषण के लिए उच्च जोखिम लेने में सक्षम होगी।
- यह फंड जुटाने के लिए व्यापक निवेशक आधार तक पहुंचने में सक्षम होगा, जिसके परिणामस्वरूप धन उगाहने के लिए प्रतिस्पर्धी दरें होंगी।
- इससे निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, ब्रांड वैल्यू बढ़ेगी और बाजार में सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा होगा।

❖ **महत्व:** IFC का दर्जा देना IREDA के 36 वर्षों के बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण और नवीकरणीय ऊर्जा के केंद्रित विकास की मान्यता है।

इरेडा के बारे में

❖ यह सतत विकास के लिए अक्षय स्रोतों, ऊर्जा दक्षता एवं पर्यावरणीय प्रौद्योगिकियों से ऊर्जा उत्पादन में स्व-सतत निवेश को बढ़ावा देने और वित्तीपोषण के लिए अग्रणी, भागीदार हितैषी एवं प्रतियोगी संस्था के रूप में कार्य करती है।

❖ इरेडा का लक्ष्य "शाश्वत ऊर्जा" का उत्पादन करना है।

मुख्य उद्देश्य

❖ नए एवं अक्षय स्रोतों के जरिए विद्युत और/या ऊर्जा का उत्पादन करने तथा ऊर्जा दक्षता के माध्यम से ऊर्जा का संरक्षण करने के लिए विशिष्ट परियोजना एवं योजना को वित्तीय सहायता प्रदान करना।

❖ अक्षय ऊर्जा एवं ऊर्जा दक्षता/संरक्षण परियोजनाओं में दक्ष एवं प्रभावी वित्तपोषण प्रदान करने के लिए अग्रणी संगठन के रूप में अपनी स्थिति को बनाए रखना।

❖ अभिनव वित्तपोषण द्वारा अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में इरेडा की हिस्सेदारी बढ़ाना।

❖ प्रणालियों, प्रक्रियाओं एवं संस्थानों में निरंतर सुधार के जरिए ग्राहकों को प्रदान की गई सेवाओं की दक्षता में सुधार करना।

स्रोत- IE

ओजोन परत

चर्चा में क्यों?

❖ एक अध्ययन के अनुसार, हाल ही में जंगल की आग से निकलने वाला धुआं पृथ्वी की ओजोन परत की रिकवरी को धीमा कर सकता है और यहाँ तक कि स्थिति को खराब भी कर सकता है।

ओजोन परत के बारे में:

❖ ओजोन परत सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी विकिरण से पृथ्वी को बचाने वाला सुरक्षात्मक आवरण है।

- अमेरिका में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्त्ताओं के अनुसार, जंगल की आग समताप मंडल में धुएं को पंप कर सकती है, जहाँ कण एक वर्ष से अधिक समय तक उपस्थित रहते हैं।
- शोधकर्त्ताओं ने एक नई रासायनिक प्रतिक्रिया की पहचान की जिसके द्वारा ऑस्ट्रेलियाई जंगल की आग के धुएं के कणों ने ओजोन की कमी को बदतर बना दिया।
- इस प्रतिक्रिया को ट्रिगर करके, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अफ्रीका एवं दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में दक्षिणी गोलार्ध में मध्य-अक्षांश पर आग ने कुल ओजोन के 3-5% की कमी में योगदान दिया।

स्रोत- TH

KARMANYEVADHIKARASTE
THE STUDY
MAA PHALESHU KADAACHAN
An Institute for IAS